an>

Title: Need to include Belgaum district which is having a majority of Marathi speaking people in Maharashtra.

श्री चन्द्रकांत खैरे (औरंगाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, पिछले 58 वर्षों से महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद का कोई हल नहीं निकल पाया है। सीमा पर लगे 865 गांव ऐसे हैं जहां सिर्फ मराठी भाषी लोग ही रहते हैं। पुरा बेलगांव जिला मराठी भाषी है। आए दिन यहां के लोग आंदोलन करते हुए महाराष्ट्र राज्य में शामिल किए जाने की मांग करते हैं। बेलगांव नगरपालिका में भी कई बार प्रस्ताव पास किया गया कि पूरे 865 गांवों को महाराष्ट्र में शामिल कर दिया जाए। परन्तु कर्नाटक सरकार बेवजह इस विवाद को आगे बढ़ाती हुई दिखाई दे रही है। कोर्ट के निर्णय का हम सभी सम्मान करते हैं। परन्तु बेलगांव की जनता की इच्छाओं और मराठी भाषी लोगों की बहुसंख्या का ख्याल करके हुए केन्द्र सरकार को महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद का तुरंत हल करने पर हस्तक्षेप करना चाहिए, ऐसी मेरी मांग है।